



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	15-9-22	3	4

## Seeds worth ₹1.5 crore bought at HAU fair

TIMES NEWS NETWORK

**Hisar:** The Rabi 'Krishi Me-la' organised at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) concluded on Wednesday.

The farmers bought certified seeds of improved and recommended varieties of Rabi crops and vegetables, besides nurseries of fruit plants worth about Rs 1.5 crore, and agricultural literature worth Rs 68,000. University's director research Jeet Ram Sharma was chief guest the fair's closing ceremony. Apart from Haryana, about 1.31 lakh farmers from Punjab, Rajasthan, and Uttar Pradesh had also attended the two-day event.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.9.22	3	3-6

# किसानों ने 68 हजार का कृषि साहित्य भी खरीदा

एचएयू में चल रहे किसान मेले का समापन, फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा मशीनीकृत प्रबंधन करें

भास्कर न्यून | हिसार

एचएयू में चल रहे किसान मेले का बुधवार को समापन हो गया। दूसरे दिन भी मेले में किसानों की भीड़ उमड़ी रही। मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की थी।

बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रूपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। मेले के समापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की।



### मिट्टी पानी की जांच करवाई, कार्यक्रम भी हुए

डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी जानकारियां दी गईं। किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का लाभ उठाया। किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया। हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनोरंजन किया।

### लगाई थी 270 स्टॉल, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग रहा प्रथम

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में लगाए करीब 270 स्टॉल थे। इन स्टॉलों में सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक हाईब्रिड, गुडविल हाईब्रिड व समय सीड्स तथा सुपर सीड्स ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सैक्टिवाइडस/पेस्टिसाइडस व फार्मा में सिनजेटा, क्रिस्टल/यूपीएल तथा जय हिन्द वेट फार्मा, फर्टिलाइजर ग्रुप में इफको, कुभको तथा बारा और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुकून, ओम एजीइम्पलिमेंटस

तथा बरवाला एगो सेंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, लुधियास तथा एमएचयू कर्नाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान ग्रुप में कम्बोज बी फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इण्डिया बायोटेक एवं मिले-जुले ग्रुप में इएलपी-एचएयू, मिकलाडा तथा फॉलकन गार्डन ट्रूज/एम.डी. बायो को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	15.9.22	9	2-6

हकृवि में कृषि मेले का समापन, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

# किसानों ने एक करोड़ पचास लाख रुपये में खरीदें रबी फसलों के बीज

हरि न्यूज | हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला बुधवार को समापन हुआ। मेले के दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनो दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपए के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशयुक्त किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है।



हिंसार। कृषि मेला में उपस्थित किसान।

फोटो: हरि न्यूज

## वैज्ञानिकों ने किसानों की शंका को किया दूर

मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का काम करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उपाई गई फसलों के प्रदर्शन पर्यट दिखाने गए तथा उन्हें वैज्ञानिक खेती-खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से निर्यात व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रशोधनकर्ता कर्मियों से मजबूत लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया तथा उनके लिए आयोजित हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मगबरजम किया।

## मेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी सर्वोत्तम लाभ प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उसका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकार की बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज विक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा।

## कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में लगाई गई थी 270 स्टॉल

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा सरकार की एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यंत्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों को भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सीड सुरुप में शक्तिवर्धक हाइड्रिड, कुडविल हाइड्रिड व समय सौंडस तथा सुपर सौंडस के क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सेक्टिसाइड्स/पैस्टिसाइड्स व फार्मा में रिक्जेंट, क्रिस्टल/सूपीएल तथा जय हिन्द वेट फार्मा, फटिलाइजर सुरुप में इफको, कुमकी तथा यास और नर्सरी/ट्रैक्टर सुरुप में सुकून, आन एवॉइन्पलिमेंटस तथा बरवाल एचो सेंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकार संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, लुवास तथा एमएचएच कारनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान सुरुप में कमबोज बी फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा बीन इण्डिया थायोटेक एवं मिले-जुले सुरुप में इन्सुपी-एचएच, मिक्सा तथा फॉलकन गार्डन टूल्स/एमडी बायो को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
उमर कुजाला

दिनांक  
15-9-22

पृष्ठ संख्या  
1

कॉलम  
1-3

## कृषि मेले में छात्राओं ने सीखा जल बचाना



एचएयू में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले का बुधवार को समापन हुआ। इस बार मेले की थीम जल संरक्षण रही। एचएयू प्रशासन का दावा है कि दो दिन में मेले में एक लाख 31 हजार लोगों ने भ्रमण किया। इस दौरान हनुमानगढ़ से आई छात्राओं ने पंप सेट का मॉडल देख जल संरक्षण के प्रबंधों को जाना। **संबंधित खबर पृष्ठ-02 पर पढ़ें**





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक भास्कर	15/9/22	5	3-8

## एचएयू हिसार में राष्ट्रीय किसान मेला • पहली बार हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व यूपी से 1.31 लाख किसान हुए शामिल मेले में गेहूं और सरसों की उन्नत किस्मों की रही मांग; 22 हजार किसानों ने खरीदे बीज, 2 दिन में 1.5 करोड़ रुपए की हुई बिक्री

महसूब अली | हिसार

अब हरियाणा में भी की जा सकेगी केले की पैदावार, महाराष्ट्र के केले की जी-9 किस्म का ट्रायल सफल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय रबी कृषि मेला बुधवार को संपन्न हुआ। मेले में पहली बार दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने 1.5 करोड़ रुपए के रबी फसलों के प्रमाणित बीज, पौध व यंत्र खरीदे। इसमें 22 हजार किसानों ने गेहूं व सरसों की उन्नत किस्मों के बीज खरीदे। एचएयू कुलपति प्रो. सीआर काम्बोज ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से भी किसानों ने मेले का सुल्फ उठाया। ऑनलाइन बिक्री के लिए आवेदन किए। मेले में किसानों ने रिफाई खरीददारी और विजिट की है। 250 से अधिक स्टॉल किसानों के लिए लगाई गई थी। किसानों के सहयोग से मेला पूरी तरह से सफल रहा।



हिसार। एचएयू में किसान मेले में विभिन्न राज्यों से उमड़ी किसानों की भीड़।

### पहली बार विवि ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 किस्म के बीज बेचे

एचएयू के मेले में सरसों की आरएच 725 और 749 को सबसे अधिक मांग रही। गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की भी अधिक डिमांड रही। पहली बार विवि द्वारा नई किस्म के बीज को बेचा गया। इस किस्म के गेहूं की पैदावार 70 मन प्रति एकड़ है। सरसों का बीज 80 रुपए किलो मिला है, जबकि प्रॉवेट स्टॉल इसे

900 रुपए किलो तक बेच रही है। इसके अलावा मटर का बीज एचएफपी 1428 भी पहली बार किसानों को उपलब्ध कराया गया। इस दौरान एचएयू द्वारा तैयार मुल्हठी की किस्म की प्रदर्शनी भी लगाई गई। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह औपधीय पौधा है। इसकी जड़ सर्दी, खारसी, जुकाम आदि को ठीक करने में सहायक है।

### केले के लिए महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश नहीं लगानी होगी दौड़

प्रदेश के किसानों को केले के लिए महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों पर निर्भर नहीं रहना होगा। वैज्ञानिकों ने बताया कि महाराष्ट्र से केले की जी-9 नामक किस्म लाकर फार्म में लगाया था, जिसका ट्रायल सफल रहा है। किसान एक एकड़ में 250 क्विंटल पैदावार ले सकते हैं।



### पपीते की रेड लेडी किस्म भी बढ़ाएगी किसानों की आमदनी

एचएयू के डॉ. किशोर ने बताया कि उन्होंने सिरसा से लाकर पपीते की रेड लेडी किस्म को फार्म में ट्रायल के तौर पर लगाया था। जिसका रिजल्ट भी अच्छा रहा है। एक पपीता का वजन तीन किलो तक है। एक पेड़ पर 50 से लेकर 60 किलो तक पपीता आ रहे हैं। किस्म की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक है।



### अब एक साथ कई काम करेगा ट्रैक्टर चीता, सोलर से होगा चार्ज



किसान मेले में चीता नाम के ट्रैक्टर की भी प्रदर्शनी लगाई गई। डा. आमोद ने बताया कि उन्होंने किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष प्रकार का ट्रैक्टर तैयार कराया है, जिसे चीता नाम दिया गया है। यह एक बार सोलर से चार्ज होने के बाद 4 घंटे तक चलेगा। इससे खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने से लेकर जुताई, बिजई और जेसीबी की तरह मिट्टी उठाने वगैरह काम कर सकते हैं।









# हिंसा, लोक संपर्क कार्यालय

सूचना पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सूचना पत्र	15.9.22	4	1-6

## किसानों ने प्रदर्शनी में 1.50 करोड़ के खरीदे बीज व पौधे

### पौधों की नई उन्नत किस्में खरीदी, पशुओं को लंपी वीमारी से बचाव की ली जानकारी

जलाल अहमद, हिसार: नया जो पसल में तीन सालों से मुकदमों झेलने के बाद किसानों का खेतों का जल नष्ट करवाया गया है। नया जो पसल ने सुनाई सुनी की नयी-ओलास्टिक के द्वारा से किसानों को मुकदमों को खारिज कर दिया है। नया जो पसल नया जो पसल को बोलकर अन्य खेतों की ओर सावधान रहें। किसान अब एलवेरा खेतों को नया जो पसल को हैं, क्योंकि इससे बच सकते हैं। नया जो पसल को जलाने से हैं।



सूचना पत्र का नाम दिनांक पृष्ठ संख्या कॉलम

विश्वविद्यालय के अनुसंधान विभाग का जल राम शर्मा मुख्य अधिकारी हैं। उन्होंने किसानों से सुनी से सुनाई जल के प्रबंधन और पानी व फसल उपजों को जलाने की अनेक उन्नत पद्धतियां मशीनयुक्त प्रबंधन करने की बताया की। नया जो पसल के अलावा किसानों ने 68 हजार रुपये का बीज खरीदा भी खरीदा।

एक विशेष विभाग एवं मिला अधिकारी डा. कुमा कुमार पदम ने बताया कि मले में सुनी-ओलास्टिक प्रदर्शनी में करीब 170 करोड़ रुपये के किसानों ने कहा कि अधिकतर किसानों मशीन व बीज खरीदने को लगे हैं। इस बार कुछ नया नहीं है। अब होने वाली किसानों को पसल के बारे में कोई जानकारी नहीं हो पा रही। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।

एलवेरा ने पशु की नई किस्म बनाई, जो खेतों में कारगर : एलवेरा ने पशु की नई किस्म बनाई है। किसानों को इसकी जानकारी दी। यह पशु अन्य किसानों के मुकदमों को खरीदने के लिए कारगर भी है। यह एलवेरा एल-1270 नई किस्म की प्रकृत 28 से 29 किग्रा तक होती है।

### नरमा की तीन साल से मार झेलने के बाद खेती से मुह मोड़ रहे किसान

जलाल अहमद, हिसार: नया जो पसल में तीन सालों से मुकदमों झेलने के बाद किसानों का खेतों का जल नष्ट करवाया गया है। नया जो पसल ने सुनाई सुनी की नयी-ओलास्टिक के द्वारा से किसानों को मुकदमों को खारिज कर दिया है। नया जो पसल नया जो पसल को बोलकर अन्य खेतों की ओर सावधान रहें। किसान अब एलवेरा खेतों को नया जो पसल को हैं, क्योंकि इससे बच सकते हैं। नया जो पसल को जलाने से हैं।



एलवेरा की खेती है सरली

किसानों का कहना है कि पसल को पसल में सुनाई सुनी का पसल है। नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।

एलवेरा को लेकर सुनी-ओलास्टिक को लेकर भी किसानों के खेतों सुनी-ओलास्टिक के द्वारा से किसानों को मुकदमों को खारिज कर दिया है। नया जो पसल नया जो पसल को बोलकर अन्य खेतों की ओर सावधान रहें। किसान अब एलवेरा खेतों को नया जो पसल को हैं, क्योंकि इससे बच सकते हैं। नया जो पसल को जलाने से हैं।

एलवेरा की खेती है सरली : एलवेरा की खेती करने की नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।

नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।

### काजरे की देसी किस्म की सिद्धि मनी मिनाल

प्रदर्शनी में नया जो पसल काजरे की खरीद ली। नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।

इसकी मिला इनाम : नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।



नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।



नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।

अज्ञात टिंके वाली नरमा की नई किस्म : नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।

ई-बीसम विभाग के पास किसानों ने कारवाया पंजीकरण : नया जो पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा। मिला पसल को बिनाई कराई है, उसके जो भी बताया जा रहा।





**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

संग्राहक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमेश उजवाला	14-7-22	4	1-5

# नई तकनीक के साथ किया कदमताल और बन गए प्रगतिशील किसान

**विचार के डॉ. विकास नई तकनीक अपनाए करे सफल उत्पादन के विचार**



**विचार के रौशनी में विपु सिस्टर से सिंचाई का विचार उत्पादन**



**विचारों के आदीक रमनी ने आसानी से नया प्रयोग कर पड़े सफल**



**परिस्थित के परिधान में काम धरनी ने धान को खेती करे सिंचाई नई राह**



**नई सिंचाई विचारों**

विचार: यह तकनीकी का प्रयोग कर खेती को नई तकनीकी बनाने का प्रयास है। प्रयोग के विचार परामर्श को लेकर नई तकनीक के साथ उत्पादन का प्रगतिशील विचार बन रहा है।

उत्पादन के कृषि क्षेत्र में प्रगतिशील किसानों में डॉ. विकास विचार है। विचार के डॉ. विकास नई तकनीक अपनाए करे सफल उत्पादन के विचार है। डॉ. विकास नई तकनीक अपनाए करे सफल उत्पादन के विचार है। डॉ. विकास नई तकनीक अपनाए करे सफल उत्पादन के विचार है।



कृषि क्षेत्र में उत्पादकों के विचार का परिणामकारी प्रभाव। डॉ. विकास नई तकनीक अपनाए करे सफल उत्पादन के विचार है।



रमनी नया तकनीक सिंचाई का प्रयोग करे सफल उत्पादन के विचार है।



डॉ. विकास नई तकनीक अपनाए करे सफल उत्पादन के विचार है।

## छिड़काव से सिंचाई करने पर पानी, समय और पैसों की होगी बचत

**नई सिंचाई विचारों**

विचार: नई तकनीक का प्रयोग कर खेती को नई तकनीकी बनाने का प्रयास है। प्रयोग के विचार परामर्श को लेकर नई तकनीक के साथ उत्पादन का प्रगतिशील विचार बन रहा है।



कृषि क्षेत्र में सिंचाई का प्रयोग करे सफल उत्पादन के विचार है।

**ड्रेनेज सिस्टम को ठीक राहें**

विचार: नई तकनीक का प्रयोग कर खेती को नई तकनीकी बनाने का प्रयास है। प्रयोग के विचार परामर्श को लेकर नई तकनीक के साथ उत्पादन का प्रगतिशील विचार बन रहा है।

**तृणों की पर नियंत्रण पाने का कर रहे प्रयास : डॉ. विनोद**

विचार: नई तकनीक का प्रयोग कर खेती को नई तकनीकी बनाने का प्रयास है। प्रयोग के विचार परामर्श को लेकर नई तकनीक के साथ उत्पादन का प्रगतिशील विचार बन रहा है।



विचार: नई तकनीक का प्रयोग कर खेती को नई तकनीकी बनाने का प्रयास है। प्रयोग के विचार परामर्श को लेकर नई तकनीक के साथ उत्पादन का प्रगतिशील विचार बन रहा है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्ज्वल समाचार	15.9.22	5	4-8

# हकृषि का कृषि मेला सम्पन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

हिसार, 14 सितम्बर (विश्व कृषि) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपए के रबी फसलों व सच्चिद्रियों की उन्नत व सिफारिशयुक्त किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नसरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बड़े-बड़े भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें

खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सच्चिद्रियों के बीज तथा फलों की नसरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज विक्रेता की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा

किसानों ने 68 हजार रूपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यंत्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सौहार्दपूर्ण सांत्विक हाईब्रिड, गुडविल

हाईब्रिड व समय सौहार्द तथा सुपर सौहार्द ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सेक्टिसाइड्स/फैन्टीसाइड्स व फार्मा में सिनजेटा, क्रिस्टल/यूपीएल तथा जय हिन्द वेट फार्मा, फटिलाइजर ग्रुप में इफको, कृष्ण तथा वारा और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुकून, ओम एग्रीइम्प्लिमेंट्स तथा चरवाला एग्री सेंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, लुवास तथा एमएचयू करनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान ग्रुप वें क्रम्बोज बी फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इंडिया बायोटेक एवं मिले-बुले ग्रुप में इएलपी-एचएयू, मिकाडा तथा फॉलकन गार्डन टूल्ज/एम.डी. बायो को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।



कृषि मेला में उपस्थित किसान।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमा 2 उजाता	15.9.22	2	1-5

# हरियाणा में होगी केले की खेती, टिश्यू कल्चर से पौधे तैयार

फरवरी में रोपाई करें, नवंबर में कटेगी फसल, एचएयू में 5 रुपये में ले सकते हैं पौधा

उदयभान त्रिपाठी

हिसार। हरियाणा में केले की खेती कम ही होती है, लेकिन एचएयू के वैज्ञानिकों ने केले के लिए यहां की जलवायु को उपयुक्त पाया है। नमी युक्त मिट्टी और 15 से 35 डिग्री तापमान में केले के पौधे न केवल तेजी से बढ़ते हैं, बल्कि उनके फल भी अधिक पीप्टिक होते हैं।

एचएयू के जैविक फार्म में इसका प्रयोग सफल रहा है। यहाँ टिश्यू कल्चर विधि से पौधे भी तैयार होने लगे हैं। केले की खेती के लिए विश्वविद्यालय से पांच रुपये में अच्छी क्वालिटी के पौधे प्राप्त कर सकते हैं। कृषि मेले में एचएयू के प्रो. सुरेश ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया



**जाड़े वाली प्रजाति पर कर रहे शोध :**  
डॉ. सुरेश ने बताया कि अभी जो प्रजाति अपने यहां के लिए अनुकूल है उसकी रोपाई फरवरी में की जाती है। यह केला नवंबर में तैयार हो जाएगा। अब नया शोध जाड़े में रोपाई के लिए उपयुक्त प्रजाति पर चल रहा है।

कि केले की सबसे अच्छी खेती यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु में होती है।

### वेगन के पौधे पर टमाटर तो हरी के साथ लगेगी शिमला मिर्च

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पौधशाला में ऐसे पौधे तैयार हो रहे हैं, जिसमें एक ही गमले में कई प्रकार की सब्जियां मिल सकें। कृषि मेले में वेगन के पौधे पर टमाटर और हरी मिर्च के पौधे पर शिमला मिर्च लगने वाले पौधे खूब बिके। इन पौधों को ग्राफ्टिंग विधि से तैयार किया जा रहा है। एक ही पौधे में दो या अधिक तरह की सब्जियां या फल-फूल उगाने की तकनीक ग्राफ्टिंग विधि कहलाती है। इसे सामान्य भाषा में कलम बांधना भी कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को इससे से फायदा होगा। व्यूरो

### गेहूं की ज्यादा उपज देने वाली किस्म ईजाद

हिसार। गेहूं उत्पादक किसानों के लिए इस बार का कृषि मेला खास रहा। प्रदर्शनी में एचएयू की प्रजाति इन्क्यूएच 1270 को भी विक्री के लिए रखा गया था, जिसका औसत उत्पादन 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखा गया है। गेहूं की यह नई प्रजाति हिसार में अब तक की सबसे अधिक उपज देने वाली प्रजाति भी है। हालांकि, इसकी लंबाई सामान्य पौधों से अधिक होती है, जिससे इसके गिरने का डर रहता है। इस पर नियंत्रण के लिए विश्वविद्यालय ने दो केमिकल भी बनाया है, जिसके प्रयोग से न केवल फसल की अनियंत्रित वृद्धि रुकेगी, बल्कि उत्पादन में भी वृद्धि होगी। व्यूरो

### कृषि मेले में किसानों ने 270 स्टालों से की खरीद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित दो दिवसीय कृषि (रबी) मेला बुधवार की शाम को संपन्न हुआ। इन दो दिन में करीब एक लाख 31 हजार किसानों ने यहां लगे 270 स्टालों पर पशुचक्र प्रमाणित बीज, उन्नतमूल बिजाई विधियां व अत्याधुनिक उपकरणों के बारे में जानकारी ली। किसानों ने करीब एक करोड़ 50 लाख रुपये के बीज व नर्सरी के पौधे खरीदे। संवाद





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब क्रिसरी	15.9.22	2	3-5

### हकृषि का कृषि मेला संपन्न, 1.31 लाख किसान हुए शामिल

हिसार, 14 सितम्बर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी हजारों किसान पहुंचे। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपये के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विवि. के अनुसार यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है। हालांकि कुछ किसानों ने मेले के दौरान बीज खरीदने को लेकर आई दिक्कतों का जिक्र भी किया।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व



कृषि मेले में सुंदर व व्यवस्थित स्टॉल का पुरस्कार देते मुख्यअतिथि डॉ. जीत राम शर्मा



झेन से लिया गया मेले का चित्र।

फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की।

डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का प्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई

व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्रीतनरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया।

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनैशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए थे।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दैनिक भास्कर

दिनांक

15.9.22

पृष्ठ संख्या

1

कॉलम

1-4

## गुड न्यूज • एचएयू ने महाराष्ट्र और गुजरात से लाकर मीठा नींबू की किस्म उगाने में पाई सफलता अब खट्टे नहीं, मीठे नींबू का भी स्वाद चख सकेंगे लोग, जो शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक

महयुव अरुंधी | हिसार

नींबू का नाम आते ही खट्टा स्वाद दिमाग में घूमने लगता है। मगर हम आपको एक ऐसे नींबू की किस्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जो स्वाद में खट्टा नहीं, बल्कि मीठा लगेगा। जी हाँ, एचएयू के वैज्ञानिकों ने कुछ समय पहले ही महाराष्ट्र और गुजरात से लाकर मीठा नींबू की पौध को ट्रायल के तौर पर एचएयू प्रांगण में लगाया था। जिसका ट्रायल सफल रहा है।

बुधवार को एचएयू में आयोजित किसान मेले में उक्त मीठे नींबू की प्रदर्शनी लगाई गई। एचएयू वैज्ञानिकों के अनुसार, मीठे



इधर, एचएयू के मेले में स्टॉल पर ग्रे फ्रूट भी रखा गया।

नींबू की खासियत यह है कि यह शरीर की इम्युनिटी बढ़ाता है। इसमें विटामिन सी भी होता है।

एचएयू के उद्यान विभाग के डॉ. राजपाल दलाल का कहना है कि नींबू के बारे में किसान

एचएयू फलों से लेकर सब्जियों की कई किस्मों पर काम कर रहा है। कई नई वैरायटी भी डिवेलप की है। जल्द कई किसानों के सामने होंगी। विधि का प्रयास है कि किसानों की आमदनी को बढ़ाया जाए। इसके लिए उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।" प्रोफेसर बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू, हिसार।

जानकारी लेने पहुंच रहे हैं। इसके अलावा एचएयू ने कुछ समय पहले ही अमेरिका से ग्रे फ्रूट की स्टार रुबी नामक किस्म को फार्म में लगाया था। इसका ट्रायल भी सफल रहा है। यह खाने में थोड़ा

कड़वा है मगर शुगर के मरीजों के लिए लाभदायक होता है। इसका वजन आमतौर पर 300 ग्राम तक होता है। इसके अंदर एक भी बीज नहीं निकलता। जिसके कारण इसे छीलने के बाद सीधे खाया जा सकता है।

अंदर से गहरे लाल रंग का होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जल्द व्यापक स्तर पर ग्रे फ्रूट की बुवाई कर किसानों के बीच तक पहुंचाया जाएगा ताकि वह लाभ उठा सकें। इसकी पैदावार कर आमदनी को बढ़ा सके। यह 70 किलो प्रति एकड़ तक प्राप्त किया जा सकता है। इन दोनों पौधों को घर के गार्डन में भी लगाया जा सकता है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिन्दू	15.9.22	4	3-4

## रबी मेला संपन्न, हकृवि ने बेचे डेढ़ करोड़ के बीज

हिसार, 14 सितंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित रबी कृषि मेला बुधवार को संपन्न हो गया। इसमें हरियाणा, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश के किसान पहुंचे। दो दिन में विश्वविद्यालय ने किसानों को लगभग डेढ़ करोड़ के बीज बेचे। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम ने कहा कि ऐसे मेलों में हिस्सा लेने से किसानों को खेती

संबंधी नया ज्ञान मिलेगा तथा कृषि संबंधी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की।

डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा अन्य जानकारी दी गई।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक भास्कर	15.9.22	5	7-8

### एचएयू में नॉर्थ इंडिया की पहली ग्राफिटिंग यूनिट तैयार, किसानों को मिलेगी सब्जी उत्पादन की ट्रेनिंग

भास्कर न्यूज़ | हिसार

प्रदेश के किसानों के लिए एक और खुशखबरी है। एचएयू में नॉर्थ इंडिया की पहली ग्राफिटिंग यूनिट बनकर तैयार हो गई है। विभिन्न ही प्रदेश के किसानों को सब्जी उत्पादन ग्राफिटिंग तकनीक से सिखाया जाएगा। करीब डेढ़ करोड़ की लागत से इसे तैयार किया गया है। एचएयू के सब्जी उत्पादन विभाग के एचओडी डॉ. टीपी मलिक ने बताया कि यूनिट के अंदर ही सब्जियों को लेकर विभिन्न प्रकार की रिसर्च भी की जा सकेगी। किसानों को निशुल्क ग्राफिटिंग विधि से सब्जी उत्पादन की जानकारी भी दी जाएगी। ट्रेनिंग का शेड्यूल भी 7 दिन तक रहेगा। टीपी मलिक के अनुसार ग्राफिटिंग तकनीक दो पौधों के हिस्सों को एक साथ जोड़ने की कला है। इस तकनीक से एक पौधे में बैंगन, टमाटर को पैदा किया जा सकता है। इसमें बैंगन, मिर्च, शिमला मिर्च जैसे सोलेनेशियम वर्गीय सब्जियां की भी ग्राफिटिंग की जा सकती है। इस विधि का चयन फसल पर निर्भर करता है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन क जागरण	15.9.22	4	7-8

### जैव विविधता संरक्षण विषय पर लगाई प्रदर्शनी

आपका हार्दिक स्वागत करता है।



कृषि मेले में जैव विविधता को बचाने का संदेश। विज्ञप्ति

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेले में हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड पंचकुला ने छात्रों, किसानों और आम जनता को एचएसवीबी के कामकाज और जैव विविधता प्रबंधन समितियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करने के लिए जैव विविधता संरक्षण के विषय पर एक

प्रदर्शनी लगाई। इस दौरान लगभग 1500 छात्रों व किसानों व प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने बोर्ड प्रदर्शनी का दौरा किया। कार्यक्रम में डा. समुंदर सिंह, डा. एसएस यादव, डा. धर्मवीर मलिक, डा. रफिकान्त, डा. कनिष्ठ बन्ना, डा. महावीर विश्नोई, डा. अजय जागड़ा, डा. कुलदीप, पवन पुनिया आदि ने प्रदर्शनी का दौरा किया।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

जम खेती

दिनांक

14.09.2022

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

### हकृवि द्वारा विकसित गेहूं की डब्ल्यू एच-1270 की सबसे ज्यादा मांग

हिसार (नभ-छोर न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे कृषि मेले का आज दूसरा दिन है। मेले में आए किसानों में उन्नत किस्म के बीजों की मांग बढ़ती जा रही है। मेले में पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसान पहुंच रहे हैं। किसानों में अबकी बार गेहूं की डब्ल्यू एच- 1270 की सबसे ज्यादा डिमांड है। सीड प्रोडक्शन विभाग के साइंटिस्ट डॉ. अक्षय

भूकर ने बताया कि पहली बार विश्वविद्यालय इसका बीज बेच रहा है। इस गेहूं के बीज का प्रति एकड़ उत्पादन 70 मन है। उन्होंने बताया कि मेले में एचएयू की स्टॉल पर सरसों का बीज 90 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। परंतु प्राइवेट स्टॉल वाले यही बीज 900 रुपये किलो दे रहे हैं। एचएयू का मटर का बीज एचएफपी 1428 भी पहली बार एचएयू ने किसानों को उपलब्ध करवाया है।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
निराग 212221	14.09.2022	--	--

## सवा लाख से ज्यादा धरतीपुत्रों ने कृषि मेला देख खरीदे एक करोड़ 50 लाख के बीज



### चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला का समापन

विभाग दलुभा मुख

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला आज समाप्त हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी किसानों की भारी भीड़-भाड़ रही। मेले में दोनो दिन हरियाणा के अलग-अलग जिलों, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों के करीब 1 लाख 21 हजार किसान सहित हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपये के रबी बीजों तथा रबीकृषि की उपजों का सिद्धांत/विज्ञान विभाग के उपजों का भी एक बड़ा बाजार भी खोला। विश्वविद्यालय के शिक्षा में यह पहली बार है कि उत्तरी रबी सीजन में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है।

मेले के आयोजन अवसर पर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष/मुख्य अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने का अर्थ है कि किसानों को नए बीजों का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करना और इसे सफल बनाने में विश्वविद्यालय के प्रधान और कृषि विभाग के अध्यक्षों को विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करना और इसे सफल बनाने में विश्वविद्यालय के प्रधान और कृषि विभाग के अध्यक्षों को विशेष महत्व है।



### कृषि मेला में सुंदर व व्यवस्थित स्टॉल का पुरस्कार देकर किया सम्मानित

स्टॉलों में सुंदर रूप से व्यवस्थित स्टॉल, सुचारु व्यवस्था में सफल रूप में प्रदर्शन के अवसर अवसर, विशेष रूप से कृषि पुरस्कार, एग्जिबिटर/प्रदर्शन/विशेषज्ञता के अवसर में विशेष, विचार/प्रदर्शन तथा अन्य विषयों पर, विशेष रूप से इनमें, कृषि को एक नया और मजबूत/प्रोत्साहन देने में मदद, और सुविधाजनक तथा व्यवस्था में सफल रूप में प्रदर्शन, विशेष रूप से कृषि पुरस्कार प्रदान किए। इन अवसर अवसरों में से ही विश्वविद्यालय के अर्थ/प्रकार एवं अन्य विभाग, मुख्य रूप से कृषि/प्रकार को प्रदान करने, विशेष रूप से कृषि पुरस्कार प्रदान किए गए। उपरोक्त/विभाग रूप में अवसर को प्राप्त, विश्वविद्यालय के प्रमुख/विभाग तथा अन्य विशेष विशेष एवं विशेष रूप में विशेष/प्रकार, विशेष रूप से विशेष/प्रकार को प्रदान करने, विशेष रूप से कृषि पुरस्कार प्रदान किए गए।

### 68 हजार का खरीदा कृषि साहित्य

कृषि मेले में किसानों ने बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। डॉ. जितेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विशेष/प्रकार के उपज/प्रकार का प्रदान करने का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करना और इसे सफल बनाने में विश्वविद्यालय के प्रधान और कृषि विभाग के अध्यक्षों को विशेष महत्व है।

### कृषि मेले में लगी करीब 270 स्टॉलें

इस विशेष/प्रकार एवं विशेष/प्रकार का प्रदान करने का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करना और इसे सफल बनाने में विश्वविद्यालय के प्रधान और कृषि विभाग के अध्यक्षों को विशेष महत्व है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

समस्त हरियाणा

दिनांक

14.09.2022

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

# हकृषि का कृषि मेला संपन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

**भयन हरियाणा न्यूज**

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय एबी कृषि मेला आज समाप्त हुआ। मेले के आठ दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमा रही। मेले में दोबोरे दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपए के एबी फसलों व सस्किनों की उपाय व सिफारिशकृता किन्हीं के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है। मेले के सम्पानन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा हमसे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि

वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिफारिश जल के प्रबंधन और परंपरा व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका पक्कास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि किसानों की अज्ञानता एबी सीमम की फसलों व सस्किनों के बीज तथा पत्तों को नर्सरी प्रसन्न करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज विक्री की नवीन व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रुपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों की विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी

महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से भिठो व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रखोलनरी सभाओं में भाग लेकर समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया तथा उनके लिए आयोजित हरबागकी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनोरंजन किया। यह निदेशक विस्तर एवं मेला अधिकाारी डॉ. कृष्ण कुमारा साहव ने बताया कि मेले में किसानों के उत्कर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सौद गुण में शक्तिवर्धक हाईब्रिड, गुटथिल हाईब्रिड व समय सीहस तथा सुपर सीहस ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा



तृतीय पुरस्कार, इन्वीविटसाइडस, पीटीसाइडस व फार्मा में गिनबेटा, किस्टल/पूपीपल तथा जय हिन्द नेट फार्मा, फर्टिलाइजर गुण में इफको, कुभको तथा पाठ और मशीनरी/ट्रैक्टर गुण में सुकुन, ओम एपीएमवीनमेंटस तथा बरबाला एगो मीटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के

वैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, तुवाल तथा एमएचए करनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान गुण में कम्बोज बी फार्म, किमिलो किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इण्डिया धार्वेटिक एवं मिले-बुले गुण में इएलपी-एचएचए, सिम्राडा तथा फॉलकन गार्डन रूएल-एचए.टी. बाघी को क्रमशः पुरस्कार प्रदान किए गए।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

सिटी पल्स

दिनांक

14.09.2022

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

# सिटीपल्स हिंसा

सांध्य दैनिक

कृषि आनी पैत  
विक्रमित सिटीपल्स  
हिंसार की मेल आईडी  
cphisar09@gmail.com  
पर प्रेषित करें  
प्रबंधक

कुल पृष्ठ - 4 | मूल्य - 2.00 | कॉल-8, अंक- 41

हिंसार, बुधवार, 14 सितंबर, 2022 | अखिल कृषक वस जगुडी, हिंसा की सवात 2079

ई-पेपर 25 www.citypulse.news

## एचएयू का कृषि मेला संपन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

सिटी पल्स मूल्य, हिंसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित की गई कृषि मेला संपन्न हुआ। मेले के अंत में दूसरे दिन भी किसानों को भारी लाभ मिला। मेले में कुल 14 दिनों के कार्यक्रम का आयोजन किया गया और अंत में 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों के अलावा 50 हजार मजदूरों के अलावा भी किसानों को लाभ मिला। मेले के अंत में 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए।

किसानों ने 1 लाख 50 हजार मजदूरों के अलावा भी लाभ का लाभ



एचएयू में आयोजित कृषि मेले में शामिल किसान।

कृषि विश्वविद्यालय के आयोजित कार्यक्रम का अंत में 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए।

कृषि मेले में शामिल किसानों का लाभ मिला।

कृषि विश्वविद्यालय के आयोजित कार्यक्रम का अंत में 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए।

### किसानों को वैज्ञानिक विधि से उपज बढ़ाने के पथ पर दिशा

एचएयू में आयोजित कृषि मेले में शामिल किसानों को वैज्ञानिक विधि से उपज बढ़ाने के पथ पर दिशा दी गई। मेले में शामिल किसानों को वैज्ञानिक विधि से उपज बढ़ाने के पथ पर दिशा दी गई।

### मेले में करीब 270 स्टॉल लगाए गए

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में करीब 270 स्टॉल लगाए गए। मेले में शामिल किसानों को वैज्ञानिक विधि से उपज बढ़ाने के पथ पर दिशा दी गई।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिंसार	15.09.2022	--	--

## हकृवि का कृषि मेला संपन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हो दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी किसानों की भारी गर्दभा-गर्दभा रही। मेले में दोनो दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार

किसानों की उपस्थिति थी। उन्होंने अपनी रबी सीसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिछी की पर्याप्त व्यवस्था की थी।

महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रशोतनरी सभकों में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं संकाओं को दूर किया तथा उनके लिए आयोजित हरपालकी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनोरंजन किया।

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के अवकाश का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक

**किसानों ने 1 करोड़ 50 लाख रूपए के खरीदे रबी फसलों के बीज**

इन्टीग्रिटेड इन्फार्मेशन व फार्मा में सिपबेटा, क्रिस्टल-पूरीएल तथा जय हिन्द फेट फार्मा, फटिलाइजर ग्रुप में इसको, कृषको तथा जय और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुकुन, जीएम एग्रीइम्प्लिमेंटस तथा बरवाला एग्री मीटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक एवं



किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपए के रबी फसलों व सब्जियों की उपजा व सिफ्टरिस्टगुटा किसानों के प्रभाषित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-बढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और परछाी व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा इनका



बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रूपए का कृषि सहायत्व भी खरीदा।

डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उपजाई गई फसलों के प्रदर्शन पर्यट दिखाने गए तथा उन्हें वैज्ञानिक खेती, खेती में जल व प्रकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि

प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व माल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सोड ग्रुप में राकियथक हार्डीब्रिड, गुदापिल हाइब्रिड व प्रथम सीड्स तथा सुपर सीड्स के क्रमशः प्रथम,

प्लॉट ब्रीडिंग विभाग, लुवास तथा एमएनएच करवाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रभाषित किसान ग्रुप में कम्बोब को फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इण्डिया कार्पोरेट एवं मिले-दुले ग्रुप में इएलसी-एचएयू, मिक्सा तथा फौलकन गार्डन टूरक.एम.डी. चाबो को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन्यु स्थान समाचार	14.09.2022	--	--

## हिसार : एचएयू मेले से किसानों ने खरीदे डेढ़ करोड़ के रबी फसलों के बीज

14 Sep 2022 17:01:17



हृदय की कृषि मेले का आयोजन एक लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

हिसार, 14 सितम्बर (दि.ज.)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हो दिवसीय रबी कृषि मेले से किसानों ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के रबी फसलों के बीज खरीदे। दो दिवसीय कृषि मेला बुधवार को समाप्त हो गया। मेले में दोनो दिन किसानों की भारी भीड़-सन्नाही रही। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराज बज्जल मुख्य अतिथि थे।

मेले में दोनो दिवसों के अलावा पंचवार, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब एक लाख 31 हजार किसान शामिल हुए और किसानों ने करीब डेढ़ करोड़ के रबी फसलों व समिन्धों की उत्पन्न व निष्पत्तिशुद्धा किस्मों के परामर्शित बीज तथा फसलएं खरीदी की लक्ष्य करीबी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेले में भाग लिया है। डॉ. जीतराज बज्जल ने किसानों को इस अवसर के अवसरों में यह अवसर का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी लक्ष्य प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के उपयोग और पानी व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका पर्यावरण प्रदूषण करने की अपेक्षा की।

उन्मुखकृत्य है कि किसानों को आसानी रबी बीजों की फसलों व समिन्धों के बीज तथा फसलों की लक्ष्य उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज विक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। डॉ. बज्जल ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान कर्मियों का सहयोग करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उत्पाई गई फसलों के परामर्श प्रदान किया गया तथा उन्हें वैज्ञानिक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

सह निदेशक हिसार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि औद्योगिक परामर्शों की करीब 270 स्टॉलें लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा सरकारी एजेंसियों व सहयोगी संस्थाओं द्वारा कृषि औद्योगिकी, जलीय, वन्य आदि परामर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही।

दिन्युस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजित सप्तम्बर	15.9.22	7	1-2

### हृदय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं की आयोजित

हिसार, 14 सितम्बर (विश्व कर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशनु व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।



कार्यक्रम में प्रस्तुति देती हुई छात्रा।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब प्रसार, अमृतसारा	15.9.22	2, 4	7-8, 1



कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्रा

हिसार, 14 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुरश्व प्रथम, छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।

## दोहा गायन में निकिता प्रथम

हिसार। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिता हुई। डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन में छात्रा खुरश्व प्रथम, छात्रा आंचल द्वितीय, दोहा गायन में निकिता प्रथम, छात्रा कंचन द्वितीय रही। संवाद





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.9.22	2	5

**कविता गायन प्रतियोगिता  
में खुशबू ने बाजी मारी**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता की देखरेख में प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजू महता ने कहा कि हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है।

उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15.9.22	9	8

**खुशाबू की कविता को  
मिली सराहना**

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं हुईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता की देखरेख में महाविद्यालय के

■ हकूवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं का आयोजन पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजू महता ने कहा कि भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई

थी और पहली बार इसे 14 सितंबर 1953 को मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कनिका दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशाबू ने प्रथम व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गान प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रेम रही जबकि प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर आई।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	14.09.2022	--	--

## हकृवि में कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित

हिसार (चिराग टाइम्स न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हांसी क्रांति	14.09.2022	--	--

## हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं की आयोजित

हांसी क्रांति न्यूज

हिसार, : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए

जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	15.09.2022	--	--

# हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं की आयोजित

प्रवीन कुमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए

जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।



कार्यक्रम में प्रस्तुति देती हुई छात्रा।